ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 4

पाठ 1: सूरज का गोला

1. **रचनात्मक कोना:** 'प्रातःकाल का समय' – इस विषय पर दस वाक्य लिखिए। **(पेज 9)**
2. उगते सूरज का चित्र बनाइए। **(पेज 9)**

पाठ 2: मिट्ठू

1. **रचनात्मक कोना:** गोपाल ने मिट्ठू को घर पर रखने के लिए क्या-क्या इंतज़ाम किए होंगे, सोचकर बताइए। **(पेज 17)**
2. 'एक बार मैं सरकस देखने गया।' – इसके बाद की कहानी बनाकर लिखिए। **(पेज 17)**

पाठ 3: अभ्यास का महत्व

1. **रचनात्मक कोना:** 2. निम्नलिखित दोहे को चार्ट पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखकर टाँगो। अपनी अध्यापिका से इस दोहे का अर्थ भी जानिए – **(पेज 25)**

   करत करत अभ्यास ते, जड़मति होत सुजान।

   रसरी आवत जात ते, सिल पर पड़त निशान।।

2. 'अभ्यास का महत्व' – इस विषय पर अपने विचार लगभग आठ पंक्तियों में लिखिए। **(पेज 25)**

पाठ 4: लुई ब्रेल

1. **रचनात्मक कोना:** तुमने पाठ में पढ़ा कि ब्रेल लिपि में अक्षरों को कागज़ पर उभारा जाता है जिसे उँगलियों से स्पर्श करके पढ़ा जाता है। ये उभार बिंदु (कवज) के रूप में होते हैं और अलग-अलग अक्षरों के लिए इन्हें अलग-अलग क्रम में उभारा जाता है। इसे दिए गए चार्ट से समझ सकते हो।

   अब इंटरनेट या अन्य स्रोतों से ब्रेल लिपि में अन्य वर्णों के बारे में जानकारी प्राप्त करो और हिंदी वर्णमाला का इस लिपि में एक सुंदर-सा चार्ट बनाइए। **(पेज 32)**

2. **एक खेल खेलिए –**

   कुछ चीज़ें जैसे – कंचे, पत्थर के टुकड़े, दाने आदि एक कटोरे में मिलाकर मेज़ पर रखो। अब अपनी आँखों पर पट्टी बाँध लो और कटोरे में रखी चीज़ों को स्पर्श करते हुए उनकी पहचान कीजिए। अपना अनुभव कक्षा में बताइए। यह खेल बारी-बारी से कक्षा के अन्य बच्चे भी खेल सकते हैं। **(पेज 32)**

3. आँखों की देखभाल के लिए तुम क्या-क्या सुझाव दे सकते हो? सूची बनाकर लिखिए। **(पेज 32)**

पाठ 6: पेड़

1. **रचनात्मक कोना:** 1. नीचे एक कविता की दो पंक्तियाँ दी गई हैं। उसके आगे की पंक्तियाँ बनाकर लिखिए –

   कितने अच्छे लगते पेड़,

   हरे-भरे मतवाले पेड़।

   तीन-चार बच्चे मिलकर भी इस कविता को पूरा कर सकते हैं। इसके लिए प्रत्येक बच्चा दो-दो पंक्तियाँ बनाता जाए। **(पेज 39)**

2. पेड़-पौधे वायुमंडल में से कार्बन डाइऑक्साइड गैस लेते हैं और उससे अपना भोजन बनाते हैं। फिर वे

इस गैस को ऑक्सीजन में बदलकर वायुमंडल में लौटा देते हैं। यह क्रिया 'प्रकाश संश्लेषण' कहलाती है। इस क्रिया के बारे में विज्ञान-अध्यापिका से जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 39)**

पाठ 7: काली परी

1. **रचनात्मक कोना:** परियाँ वास्तव में होती हैं या नहीं? कक्षा में चर्चा कीजिए। **(पेज 47)**
2. परियों की कोई कहानी, जो तुम्हें याद हो, कक्षा में सुनाइए। **(पेज 47)**
3. अपने अनुमान से परियों के रूप-रंग, वेशभूषा आदि के बारे में लगभग दस पंक्तियाँ लिखिए। **(पेज 47)**

पाठ 8: पुत्री को पत्र

1. **रचनात्मक कोना:** राजा मीदास की कहानी पढ़िए और कक्षा में सुनाइए। **(पेज 53)**
2. 'प्राचीन मिस्र के लोग' – इस विषय पर आठ पंक्तियाँ लिखिए। **(पेज 53)**

पाठ 9: हिमालय की याद में

1. **रचनात्मक कोना:** हिमालय से संबंधित कोई कविता याद करके कक्षा में सुनाइए। **(पेज 60)**
2. सन् 2013 में एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले लोगों की सूची बनाइए। **(पेज 60)**
3. 29 मई का दिन 'एवरेस्ट दिवस' के रूप में मनाया जाता है। तुम्हारे विद्यालय में 'एवरेस्ट दिवस' मनाया जाए, इसके लिए अपने प्रधानाध्यापक से अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए। **(पेज 60)**

पाठ 11: वर्षा ऋतु

1. **रचनात्मक कोना:** तुम्हें सबसे अच्छी ऋतु कौन-सी लगती है और क्यों? कक्षा में बताइए। **(पेज 70)**

पाठ 12: घमंड का फल

1. **रचनात्मक कोना:** घमंड के कारण खरगोश कछुआ से हार गया था। इससे संबंधित कहानी कक्षा में सुनाइए। **(पेज 78)**
2. 'पेड़ हमारे जीवनदाता' – इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **(पेज 78)**

पाठ 13: भारत-दर्शन

1. **रचनात्मक कोना:** तुम्हें अपने शहर से कोलकाता जाना है। रेलवे पूछताछ सेवा से पता कीजिए कि वहाँ तक पहुँचने के लिए तुम्हें क्या करना होगा? **(पेज 85)**

पाठ 14: क्यों-क्यों, कैसे-कैसे

1. **रचनात्मक कोना:** 'रामपाल ने क्योंजीमल और कैसलिया की पिटाई की।' – क्या उसने सही किया? कक्षा में अपने विचार बताइए। **(पेज 92)**
2. तुम्हारे विद्यालय में एक महान संगीतकार आने वाले हैं। उनसे तुम क्या-क्या पूछना चाहोगे? कम-से-कम पाँच प्रश्नों की सूची बनाइए। **(पेज 92)**
3. **आओ खेलें प्रश्नों का खेल –** निम्नलिखित शब्दों की सहायता से एक-एक प्रश्न पूछिए। दूसरे बच्चे उस प्रश्न का कुछ-न-कुछ उत्तर अवश्य दें। **(पेज 92)**

पाठ 16: नीति के दोहे

1. **रचनात्मक कोना:** तिरुवल्लुवर दक्षिण भारत के जाने-माने विद्वान थे। उनकी जीवनी पढ़िए। **(पेज 100)**

पाठ 17: क्षमादान

1. **रचनात्मक कोना:** इस पाठ को विद्यालय के वार्षिक उत्सव के दिन नाटक के रूप में खेलिए। **(पेज 108)**
2. मालवजी यदि अपनी माता के पास जाता तो उन दोनों के बीच क्या बातचीत होती, अनुमान से लिखिए। **(पेज 108)**

पाठ 18: जादुई बाँसुरी

1. **रचनात्मक कोना:** मान लो, तुम्हें एक जादुई कलम मिल गई है। उस कमल की विशेषता है कि जो कुछ भी तुम लिखोगे, वह पूरा हो जाएगा। अब उस कलम से तुम क्या-क्या लिखना चाहोगे? एक सूची बनाइए। **(पेज 115)**

पाठ 19: अपना-अपना काम

1. **रचनात्मक कोना:** समुद्र के किनारे रहने वाले मछुआरों के जीवन के बारे में पत्र-पत्रिकाओं या इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करो और कक्षा में बताइए। **(पेज 123)**
2. मैंने एक कुत्ता पाला। उसका नाम रखा – 'बूज़ो'। इसके आगे की कहानी बनाकर कक्षा में सुनाइए। **(पेज 123)**
3. 'भारत की नदियाँ' – इस विषय पर लगभग आठ पंक्तियाँ लिखिए। **(पेज 123)**

ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 4

शिक्षक संदर्शिका

पाठ 1: सूरज का गोला

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का वाचन करने से पूर्व बच्चों से पाठ संबंधित चर्चा करें। उनसे पूछें, क्या वे सुबह जल्दी उठते हैं या उठने में आनाकानी करते हुए देर से उठते हैं। कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से एक-एक अंश पढ़वाएँ। उनसे पूछें तथा समझाएँ –

- बच्चों को समझाएँ सुबह जल्दी उठना चाहिए।
- कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें – 'मेरे साथ-साथ सब निकलो, घने अँधेरे से कब जागोगे, अगर न जागे मेरे टेरे से?' – इनका अर्थ है कि सूरज कह रहा है कि अब तो मैं भी निकल आया हूँ यदि तुम अब नहीं जागोगे तो फिर कब जागोगे। अर्थात् सूर्य निकलने पर बिस्तर छोड़ देना चाहिए।
- बताएँ कि सारी प्रकृति सूरज के निकलते ही खिल उठती है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 88)**

पाठ 2: मिट्ठू

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से उनके पंसदीदा पशुओं के बारे में बात करें। बताएँ कि अब हम जो पाठ पढ़ेंगे उसमें बंदर के बारे में बताया गया है। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

- पूछें, उन्हें यह कहानी कैसी लगी?
- अगर तुम गोपाल की जगह होते तो क्या तुम भी मिट्ठू को अपने घर ले जाते?
- बच्चों को संज्ञा तथा उसके भेद समझाएँ।
- बच्चों को समझाएँ कि पशु-पक्षियों में भी संवेदनाएँ होती हैं।
- समझाएँ कि पशु-पक्षियों को हानि नहीं पहुँचानी चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 89)**

पाठ 3: अभ्यास का महत्व

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। पूछें कि इस कहानी से उन्हें क्या सीख मिल रही है। बच्चों को विद्या का महत्व समझाएँ।

- बच्चों को प्राचीन काल की शिक्षा व्यवस्था जैसे – गुरुकुल आदि के बारे में बताएँ।
- समझाएँ, निरंतर अभ्यास द्वारा हर कार्य सरल हो जाता है।
- समझाएँ, मेहनत ही सफलता की पहली सीढ़ी है।
- पाठ के कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ तथा कठिन शब्दों का श्रुतलेख भी करवाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 91)**

पाठ 4: लुई ब्रेल

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों को लुई ब्रेल के बारे में जानकारी दें। फिर पाठ का वाचन करें। बच्चों को समझाएँ, यदि सही दिशा में मेहनत की जाए तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है।
   - बच्चों को ब्रेल लिपि के बारे में बताएँ।
   - उनमें दूसरों की सहायता करने का गुण विकसित करें।
   - समझाएँ कि हमें अपनी कमियों से निराश नहीं होना चाहिए। अपितु अपने गुणों और क्षमताओं को सही दिशा में प्रयोग करना चाहिए। तथा निरंतर कुछ नया सीखते रहना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 93)**

पाठ 5: अनोखी मूर्ति

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 95)**

पाठ 6: पेड

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से कविता का एक-एक अंश पढ़वाएँ। बच्चों को पेड़-पौधों का महत्व समझाएँ।
   - बताएँ कि पेड़-पौधों में भी परोपकार की भावना होती है।
   - समझाएँ कि किस प्रकार पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड लेते और हमारे लिए प्राणवायु के रूप में ऑक्सीजन देते हैं।
   - बच्चों से पूछें, सोचो यदि पेड़-पौधे नहीं होंगे तो क्या होगा!
   - बताएँ कि वर्षा को लाने में भी पेड़-पौधे मुख्य भूमिका निभाते हैं।
   - कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 95)**

पाठ 7: काली परी

1. **अध्यापन संकेत:** प्रस्तुत पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ से मिलने वाली सीख पर बच्चों से चर्चा करें। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –
   - क्या तुम्हें परियाँ अच्छी लगती हैं, तुमने दादा-दादी से परियों की कहानियाँ तो सुनी होंगी। यदि कोई कहानी तुम्हें याद हो तो सुनाइए।
   - पाठ में आए कठिन शब्दों को समझाइए।
   - समझाइए, हमें लोगों को उनके रूप-रंग से नहीं बल्कि उनके गुणों एवं काम से महत्व देना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 96)**

पाठ 8: पुत्री को पत्र

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को बताएँ कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब

नेहरू जी जेल में रहते थे तब वे वहाँ से इंदिरा जी को कई जानकारी परक पत्र लिखा करते थे। यह पत्र उन्हीं में से एक है।

- बच्चों से पूछें, उनके मन में बहुत-सी जिज्ञासाएँ उठती रहती होंगी। इस बारे में अपने कुछ विचार बाँटे।
- विशेषण के बारे में समझाएँ।
- कठिन शब्द चुनकर बच्चों से श्रुतलेख करवाएँ।
- बच्चों को लालची राजा मीदास की कहानी सुनाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 98)**

पाठ 9: हिमालय की याद में

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों को बछेंद्री पाल के बारे में बताएँ। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से एक-एक अंश पढ़वाएँ। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –
   - यदि तुम्हारे काम में कोई मुश्किल आ रही हो तो तुम क्या करोगे–मुश्किल का सामना करते हुए काम पूरा करोगे या घबराकर काम को बीच में ही छोड़ दोगे?
   - हिमालय के सौंदर्य तथा महत्व के बारे में बताएँ।
   - समझाएँ कि कोई भी काम दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर पूरा किया जा सकता है।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 100)**

पाठ 10: एक पत्र सांता के नाम

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 101)**

पाठ 11: वर्षा ऋतु

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से मौन पठन करने को कहें। बच्चों से पूछें, उन्हें वर्षा ऋतु कैसी लगती है। क्या वे बारिश में नहाते या कागज़ की नावें तैराते हैं?
   - कविता की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें। 'सूखी सरिताओं ने फिर सुंदर नवजीवन पाया।' – पंक्तियों का अर्थ है जब बारिश का मौसम आता है तो नदी-तालाब जो सूखे हो गए थे, उनमें जल भर जाता है। 'वन-उपवन पनप गए सब, कितने नव अंकुर आए।' – अर्थ है कि वर्षा होने से पेड़-पौधों पर हरियाली छा जाती है। नई-नई कलियाँ निकलने लगती हैं। शाखाओं पर नए-नए पत्ते आ जाते हैं।
   - कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।
   - बच्चों को बताएँ, जब आकाश पर काले-काले बादल छाते हैं तब मोर खुशी से नाचने लगता है।
   - संयुक्ताक्षरों का अभ्यास करवाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 103)**

पाठ 12: घमंड का फल

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ से मिलने वाली शिक्षा के संबंध में बच्चों से चर्चा

करें। बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ –

- तुम्हें यह कहानी कैसी लगी?
- समझाएँ, घमंड करना गलत बात होती है।
- हमें किसी से बहस या झगड़ा नहीं करना चाहिए। सबसे नम्रता से बात करनी चाहिए।
- बच्चों को आसान उदाहरणों की सहायता से सामान्य क्रिया तथा प्रेरणार्थक क्रिया का अंतर स्पष्ट करें।
- समझाएँ, यदि तुमसे गलती हो जाए तो उसकी माफ़ी अवश्य माँगनी चाहिए तथा दूसरों से गलती हो जाने पर उन्हें क्षमा कर देना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 104)**

पाठ 13: भारत-दर्शन

1. **अध्यापन संकेतः** पाठ का वाचन करने से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से भारत से संबंधित चर्चा करें। उनसे पूछें कि वे भारत के बारे में क्या-क्या विशेष बात जानते हैं। बच्चों को अपनी-अपनी तरह से बात कहने का अवसर दें। अब पाठ का आदर्श वाचन करें।

- बच्चों को भारत की विविधता में एकता के बारे में बताएँ।
- कोलकाता के बारे में बच्चों को बताएँ कि कोलकाता कुछ वर्ष पहले कलकत्ता के नाम से जाना जाता था। यह भी बताएँ कि अंग्रेजों के शासनकाल में भारत की राजधानी कलकत्ता ही थी।
- शिमला के बारे में बताएँ कि शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी है।
- गोवा के बारे में बताएँ कि गोवा पुर्तगाल का उपनिवेश था और भारत ने 1961 में गोवा को पुर्तगाल के आधिपत्य से आज़ाद कराया था।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 106)**

पाठ 14: क्यों-क्यों, कैसे-कैसे

1. **अध्यापन संकेतः** बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। बच्चों से पूछें –

- क्या उन्हें भी इस तरह सवाल पूछने की आदत है। यदि वे भी सवाल पर सवाल करते हों तो उन्हें समझाएँ कि इस तरह बार-बार प्रश्न पूछने से कोई परेशान भी हो सकता है, इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 108)**

पाठ 15: दो बूँद ज़िंदगी की

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 109)**

पाठ 16: नीति के दोहे

1. **अध्यापन संकेतः** दोहों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को प्रत्येक दोहे का अर्थ समझाएँ। 'जे रहीम उत्तम......रहत भुजंग।' का भाव है कि सज्जन मनुष्य पर कभी भी बुरे लोगों या बुरी संगति का प्रभाव नहीं पड़ता। जिस प्रकार चंदन अपनी सुगंध नहीं खोता जबकि चंदन के पेड़ पर साँप लिपटे रहते हैं।

- बच्चों को परोपकार का महत्व समझाएँ।
- बताएँ कि मीठी वाणी बोलनी चाहिए, कभी किसी से कड़वे शब्द नहीं कहने चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से दोहों की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर दोहों के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 110)**

पाठ 17: क्षमादान

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को शिवाजी के बारे में बताएँ। बताएँ कि शिवाजी बहुत वीर योद्धा ही नहीं भारत का गौरव भी थे।
   - बच्चों से पाठ संबंधी चर्चा करें।
   - पूछें, यदि वे शिवाजी की जगह होते तो मालवजी को क्या दंड देते?
   - बच्चों में साहस, देश-प्रेम की भावना का विकास करें।
   - पूछें, क्या तुम अपनी माँ की हर बात मानते हो, यदि नहीं, तो समझाएँ कि माँ का कहना मानना चाहिए तथा माँ की सेवा करनी चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 111)**

पाठ 18: जादुई बाँसुरी

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की ओर बच्चों का रुझान करने के लिए उनसे कुछ पहेलियाँ पूछें। इससे बच्चों में पाठ के प्रति रोचकता बढ़ेगी। बताएँ कि अब हम जो पाठ पढ़ेंगे, उसमें एक बालक इसी तरह पहेलियाँ बूझता-बुझाता है।

   पाठ का आदर्श वाचन करें।
   - पूछें, उन्हें यह कहानी कैसी लगी?
   - यदि तुम्हें कुछ पहेलियाँ आती हैं तो पूछो।
   - समझाएँ, किसी बात का जवाब बहुत सोच-समझ कर देना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 113)**

पाठ 19: अपना-अपना काम

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। कहानी से मिलने वाली सीख के बारे में बच्चों से पूछें। उन्हें समझाएँ –
   - हमें प्रत्येक व्यक्ति के काम और मेहनत की कद्र करनी चाहिए।
   - समझाएँ, सभी प्राणी समान होते हैं कोई प्राणी छोटा अथवा बड़ा नहीं होता।
   - बच्चों को समझाएँ, दूसरों से ईर्ष्या या चिढ़ रखना यह गलत आचरण है। इससे व्यक्ति कभी उन्नति नहीं कर पाता।
   - उन्हें समझाएँ कि हमें अपने काम को ईमानदारी और लगन से करना चाहिए।
   - पाठ के मूल भाव को भलीभाँति स्पष्ट करें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 114)**

पाठ 20: चतुर चित्रकार

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 116)**